ब्रह्माकुमारी शीलू बहिन का संक्षिप्त जीवन परिचय

- ★ वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका, एकेडमी फार ए बैटर वर्ल्ड, ज्ञान सरोवर~
- ★ संचालिका - राजयोग शिविर, माउण्ट आबू।
- ★ TV चैनलों में प्रवक्ता, महासम्मेलन वक्ता तथा अनुवादक।
- ★ संयोजिका शिक्षा प्रभाग, राजयोग एजुकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन, माउण्ट आबू।
- ★ पाँचों महाद्वीपों में और 70 से अधिक देशों में भ्रमण।

ब्रह्माकुमारी शीलू बहिन का जन्म 1948 में मुम्बई में हुआ। आपको बचपन से ही आध्यात्मिक अनुभवों के प्रति गहरी रूचि रही इस लिए 1960 में 12 बर्ष की अल्प आयु में आप प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सम्पर्क में आयी तथा अपनी पढ़ाई के साथ-साथ राजयोग का भी अभ्यास करतीं रही जिससे आपने मानसिक एकाग्रता एवं कुशाग्र बुद्धि तथा शक्ति के विकास का अनुभव किया।

बम्बई विश्वविद्यालय से 1969 में विज्ञान में स्नातक होने के पश्चात 21 वर्ष की आयु में आप मानवता की ईश्वरीय सेवा अर्थ इस संस्था में सम्पूर्ण रूप से समर्पित हो गयी। सन् 1970 से 1974 तक आपने बैंगलोर, काठमाण्डू, हैदराबाद तथा मुम्बई में ईश्वरीय सेवाएं प्रदान कीं। सन् 1974 से 1976 तक कुछ अफ्रीकी देशों तथा मौरीशस में आपने ईश्वरीय सेवा कर अनेक राजयोग सेवा केन्द्रों की स्थापना की। 1976 से आप मुख्यालय, माउण्ट आबू में स्थायी रूप से रहकर राजयोग शिविरों का सकुशल संचालन कर रहीं हैं जिसके द्वारा अब तक लाखों वैज्ञानिकों, व्यापारियों, न्यायविदों, राजनीतिज्ञों, चिकित्सकों तथा अन्य अनेक व्यवसायों के व्यक्ति लाभ ले चुके हैं तथा अब भी राजयोग सीखने के लिए हजारों की संख्या में लोग प्रति वर्ष माउण्ट आबू आते रहते हैं।

आपने पाँचों ही महाद्वीपों में 70 से भी अधिक देशों में यात्रायें की हैं जहाँ प्रवचनों के माध्यम से सकारात्मक सोचने की कला, तनाव मुक्त जीवन तथा राजयोग द्वारा जीवन मूल्यों का विकास आदि विषयों पर प्रकाश डाला है। आपकी स्पष्ट, तार्किक तथा आत्मिक स्नेह एवं आध्यात्मरस पूर्ण वाणी की बढ़ती हुई चाहना को लेकर राजयोग प्रवचन माला, राजयोग कामेन्ट्री तथा कई आध्यात्मिक विषयों पर प्रवचनों की आडियो तथा वीडियो कैसेट्स तथा सीडी भी उपलब्ध हैं। आपने रेडियो टी. वी. तथा समाचार पत्रों द्वारा भी योगी जीवन की सुवास को सर्वत्र फैलाया है। आपके प्रवचन Zee T.V. Sony T.V. आस्था तथा संस्कार चैनलों पर प्रसारित होते रहे हैं। वर्तमान समय आपके प्रवचन जागरण चैनल पर नियमित रूप से आते रहते हैं।

हिन्दी, अंग्रेजी तथा सिन्धी भाषा में आप धारा प्रवाह बोलती हैं तथा इन भाषाओं में कुशल ववता के साथ सफल अनुवादक भी हैं। आबू पर्वत तथा अन्य स्थानों पर आयोजित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्टीय शान्ति सम्मेलनों, महासम्मेलनों में आप कुशल प्रवक्ता रहीं हैं। आप किसी भी आध्यात्मिक विषय पर अपने अनुभव रस से अधिकार एवं प्रभावी रूप से बोल सकती हैं।